भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

****

विषय: मई, 2024 माह के लिए अंतरिक्ष विभाग का मासिक सार

भाग- I (अवर्गीकृत)

I. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

क. अंतरिक्ष परिवहन:

- पी.एस.एल.वी. के चौथे चरण को ऊर्जा देने वाले पी.एस.4 इंजन का तप्त परीक्षण योज्य विनिर्माण (ए.एम.) मार्ग के माध्यम से दिनांक 09 मई, 2024 को समुद्र स्तर की परिस्थिति के अंतर्गत 665 सेकंड की अवधि के लिए सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया।

  ए.एम. मार्ग के माध्यम से साकारीकरण में प्राप्त लाभ अवययों की संख्या में कमी, वेल्डिंग वाले जोड़ों से छुटकारा, कच्चे माल की महत्वपूर्ण बचत तथा समग्र उत्पादन प्रक्रिया के समय में कमी हैं। इंजन का साकारीकरण एक भारतीय उद्योग द्वारा किया गया था।

- स्वदेशी सेमी-क्रायोजेनिक इंजन के विकास के क्रम में, दिनांक 02 मई 2024 एवं 21 मई 2024 को सेमी-क्रायो समेकित इंजन परीक्षण सुविधा (एस.आई.ई.टी.) में पूर्व-ज्वालक प्रज्वल परीक्षण (पी.आई.टी.ए.), जो एक निचले स्तर का इंजन विन्यास है जिसमें केवल निम्नतम इंजन उप-प्रणालियाँ होती हैं, पर दो अल्पावधि (2.5 सेकेंड प्रत्येक) के प्रज्वलन परीक्षण सफलतापूर्वक निष्पादित किए गए।

  सेमी-क्रायोजेनिक इंजन के प्रज्वलन के लिए अति महत्वपूर्ण है संशोधित अनुक्रम की पर्याप्तता की पुष्टि करते हुए पूर्व-ज्वालक के सुचारू एवं सतत प्रज्वलन का प्रदर्शन किया गया।

ख. अंतरिक्ष अनुप्रयोग:

I. भू-प्रेक्षण:

- कृषि प्रौद्योगिकी परियोजना (राज्य सरकारों हेतु) : महाराष्ट्र के लिए ऋतु के अंत में फसल को लेकर दृष्टिकोण की सूचना तैयार की गई। ऐतिहासिक डेटा का उपयोग कर मध्य प्रदेश में गेहूँ की फसल के उत्पादन पर मशीन शिक्षण मॉडल प्रशिक्षित किया गया।
- जल-सूचना उत्पादों एवं सेवाओं का विकास (राष्ट्रीय जलविज्ञान परियोजना, एन.एच.पी., जलशक्ति मंत्रालय हेतु) : वास्तविक वाष्प-पारश्वसन उत्पाद, जलवैज्ञानिकी सूखा उत्पाद एवं हिम आच्छादन उत्पाद तैयार कर प्रकाशित किए गए। सिंधु बेसिन में पांचवी प्राथमिकता के हिमखंड की जी.एल.ओ.एफ. मॉडलिंग की गई।
- शहरी जलाशय सूचना प्रणाली (यू.डब्ल्यूए.आई.एस., आवास एवं शहरी मामला मंत्रालय हेतु) : 28 कस्बों में चयनित (प्राथमिकता वाले) जलाशयों के लिए भू-उपयोग/भू-आच्छादन में परिवर्तन का मूल्यांकन पूरा किया गया।
- भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर डब्ल्यू.डी.सी.-पी.एम.के.एस.वाई. 2.0 परियोजनाओं का मॉनीटरण (ग्रामीण विकास मंत्रालय हेतु) : प्रयोक्ताओं की प्रतिक्रियाओं के आधार पर डब्ल्यू.डी.सी.2.0 के लिए एक मोबाइल ऐप जारी किया गया है।
- मुक्त एवं निःशुल्क डेटा एक्सेस सुविधा के तहत भुवन एवं भूनिधि से उपयोगकर्ताओं द्वारा 74,116 उपग्रह डेटा उत्पाद डाउनलोड किए गए।

II. आपदा प्रबंधन सहायता:

- एन.डी.ई.एम. वी.5.0 : डी.जी.आर.ई. से हिमस्खलन चेतावनियों, सी.डब्ल्यू.सी. से जल स्तर के आंकड़े तथा इनकॉइस से सुनामी की चेतावनियों, तूफान में वृद्धि, समुद्री उफान एवं उच्च लहरों की चेतावनियों का चित्रकल्प करने के लिए नए मॉड्यूल विकसित एवं समेकित किए गए।
- रिसोर्ससैट-2/2ए एविफ्स एवं रिसैट-1ए एम.आर.एस. डेटा का उपयोग कर भारत के लिए पूर्व-बाढ़ ऋतु उपग्रह डेटाबेस तैयार किया गया।
- दावानल ऋतु 2024 के लिए प्रचालनात्मक निकट वास्तविक समय दावानल चेतावनी सृजन एवं प्रसार चालू है : अप्रैल – मई 2024 के दौरान नैनीताल, गढ़वाल तथा अल्मोड़ा को उतराखंड दावानल के कारण सबसे अधिक प्रभावित जिलों के रूप में चिह्नित किया गया।
- 18 आई.आर.एस. डेटा उत्पादों को आपदा प्रबंधन सहायता के लिए सेंटिनल एशिया को प्रसारित किया गया।

III. उपग्रह संचालन

- मई 2024 में नौवहन संचालन एवं रेडियोसंचार उपकरण के लिए तथा एल1-बैंड आधारित एस.बी.ए.एस. पर आधारित प्रणालियों के लिए आई.ई.सी. 61108-7 मानक जारी किया गया।
  मानक में भारतीय एस.बी.ए.एस. प्रणाली गगन शामिल की गई है।

ग. मानव अंतरिक्ष उड़ान:

- सेवा मॉड्यूल नोदन प्रणाली – प्रणाली प्रदर्शन मॉडल (एस.एम.-एस.डी.एम.) चरण – 3 – प्राइमिंग परीक्षण 151 सेकेंड की अवधि के लिए सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया।
- जी.1 मिशन की सेवा मॉड्यूल नोदन प्रणाली लोड हेतु उड़ान एकीकरण के लिए पाँच 440एन एल.ए.एम. इंजन और सोलह 100एन आर.सी.एस. प्रणोदक सौंपे गए। प्रकार्यात्मक परीक्षण पूरा करने के पश्चात जी1 एस.एम. संरचना के साथ नोदक टैंकों एवं नोदन मॉड्यूलों का एकीकरण पूरा किया गया।
- जी1 मिशन के कर्मीदल मॉड्यूल नोदन प्रणाली के लिए प्रणाली एकीकरण, वैद्युत प्रसज्जा एवं जल अंशांकन के लिए टी.एंड.ई. किया गया।
- टी.वी.-डी.2 मिशन हेतु नोदन प्रणाली के लिए सी.एम. अवसंरचना पर इंटरफेस सृजन पूरा किया गया।
- एच.एल.वी.एम.3 में सी.32 के प्रेरण के लिए नव संरूपित क्रायो शाखा के साथ द्वितीय प्रमोचन मंच, एस.डी.एस.सी. में प्रथम प्रतिधावन परीक्षण पूरा किया गया।
- एस.डी.एस.सी. में सी.ई.एस. जेटिशनिंग मोटर (सी.जे.एम.) प्रस्फोट परीक्षण पूरा हुआ। एच.ए.टी. चैंबर, एस.डी.एस.सी. में निम्म-तुंगता पिच मोटर (एल.पी.एम.) स्थैतिक परीक्षण पूरा हुआ।

घ. अंतरिक्ष विज्ञान:

- 07-09 मई 2024 के दौरान सक्रिय सूर्य स्थल समूह ए.आर.13664 से उत्पन्न सौर ज्वाला की एक श्रृंखला ने अंतरग्रहीय अंतरिक्ष में प्रभामंडल एवं दीर्घ प्रभामंडलीय उत्क्षेपण (सी.एम.ई.) उत्पन्न किया, जिसने 10 मई को एक तेज भूचुंबकीय तूफान का रूप लिया। यह लगभग पिछले दो दशकों का सबसे तेज तूफान था।

- उपर्युक्त घटना के दौरान, इसरो ने अपने सभी भू-आधारित एवं अंतरिक्ष आधारित प्रेक्षण मंचों एवं प्रणालियों को घटना के चिह्नक रिकॉर्ड करने के लिए संगठित किया।
- आदित्य-एल1, चंद्रयान-2 एवं एक्सपोसैट ने घटना के दौरान प्रेक्षण किया तथा रिकॉर्ड किए गए चिह्नक का विश्लेषण किया गया। एन.ए.आर.एल. जी.एन.एस.एस. रिसीवर नेटवर्क ने भिन्न-भिन्न चरणों में आकस्मिक कुल इलेक्ट्रॉन अंश (टी.ई.सी.) को रिकॉर्ड किया।
- सुरक्षित संचार हेतु निरंतर परिवर्ती-आधारित क्यू.के.डी. प्रोटोकॉल के अति महत्वपूर्ण होने को आगे रेखांकित करते हुए क्वांटम मुख्य वितरण (क्यू.के.डी.) में स्रोत के ओर की चैनल भेद्यता के न्यूनीकरण हेतु अध्ययन किए गए।
- चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव में दो निरंतर छायारत क्षेत्रों (पी.एस.आर.) डी-गरलाशे एवं शैकलटन को जोड़ने वाले पर्वत श्रृंखला क्षेत्र में संभावित अवतरण स्थल के अभिलक्षणन का अध्ययन किया गया। ये अध्ययन प्रस्तावित इसरो-जाक्सा ल्यूपेक्स मिशन हेतु इनपुट के लिए उपयोगी साबित होंगे।
- मध्यमंडल-आयनमंडल में, विशेषतः आकस्मिक अंतरिक्ष-मौसम घटनाओं के दौरान अक्षांशीय युग्मन प्रक्रिया के अध्ययन के लिए एन.आर.एस.सी., शादनगर, हैदराबाद में नए बहु-तरंगधैर्य वायुदीप्ति प्रतिबिंबित्र प्रेक्षण आरंभ किए गए।

ङ. क्षमता निर्माण:

- युविका-2024 : इसरो के विभिन्न केंद्रों में 13 मई 2024 को सभी प्रदेशों/केंद्र शासित प्रदेशों के 355 विद्यार्थियों के साथ आवासीय विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- सचिव, अं.वि. / अध्यक्ष, इसरो ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया एवं युविका विद्यार्धियों के साथ बातचीत की।
- अंतरिक्ष जिज्ञासा : स्कूली अध्यापकों हेतु अंतरिक्ष प्रौद्यागिकी एवं इसके अनुप्रयोगों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण के अंतर्गत इसरो ने अंतरिक्ष प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं ज्ञान संवर्धन (सेतु) कार्यक्रम आरंभ किया। लगभग 1226 अध्यापकों ने पंजीकरण किया।
- इसरो ने स्पेस ट्यूटर के माध्यम से एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ई.एम.आर.एस.), जनजातीय कार्य मंत्रालय के 120 विद्यार्थियों के लिए एक-सप्ताह का अंतरिक्ष शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करने हेतु पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण संसाधन मुहैया कराया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 24 मई 2024 को सचिव, अं.वि./अध्यक्ष, इसरो एवं सचिव, जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।
- माह के दौरान, चार पेटेंट प्रदान किए गए और एक पेटेंट आवेदन आई.पी.ओ. में दायर किया गया।
- मध्यम स्तर के वैज्ञानिकों/अभियंताओं के लिए 28-31 मई के दौरान एक प्रणाली अभियांत्रिकी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में इसरो के विभिन्न केंद्रों से 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

च. प्रशिक्षण:

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रशिक्षण की अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	'दिक्कालिक आँकड़ा विश्लेषण हेतु जी.ई.ई. का उपयोग करते हुए क्लाउड कंप्यूटिंग' विषय पर एक सप्ताह का प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	29 अप्रैल, 2024 – 03 मई, 2024	10

2.	'भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग के मध्य प्रबंधन अधिकारियों हेतु अभिज्ञता प्रशिक्षण' विषय पर तीन दिवसीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	06 मई - 08, 2024	19
3.	आठ सप्ताह का इसरो-प्रायोजित एन.एन.आर.एम.एस. पाठ्यक्रम (जारी है)	13 मई, 2024 – 7 जुलाई, 2024	57
डी.एल.पी./ऑनलाइन वर्चुअल मोड पाठ्यक्रम एवं कार्यक्रम			
4.	पैलियोचैनल अध्ययनों में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग (हिंदी में)	मई 20 - 24, 2024	286 नेटवर्क संस्थानों से 1553 प्रतिभागी
5.	सौर प्रणाली का अन्वेषण	अप्रैल 24, 2024 – मई 10, 2024	318 नेटवर्क संस्थानों से 16238 प्रतिभागी
6.	वन कार्बन एवं जल चक्र मॉनीटरण एवं मॉडलिंग	मई 13-17, 2024	238 नेटवर्क संस्थानों से 1396 प्रतिभागी

छ. <u>सुरक्षित एवं सतत अंतरिक्ष प्रचालन:</u>

- 24 लियो एवं 30 जी.एस.ओ. उपग्रहों हेतु दैनिक सोपा (अंतरिक्ष पिंड निकटता विश्लेषण) तथा निकट दृष्टिकोण स्थिति का पुनर्मूल्यांकन निष्पादित किया गया। 27 मई 2024 को आई.आर.एन.एस.एस.-1सी. हेतु एक संघट्ट बचाव युक्तिचालन किया गया।
- 24 मई 2024 को सी.एच.2ओ. एवं के.पी.एल.ओ. के निकट संयोजन के साथ जुड़े खतरों को कारी टीम के सहयोग से कम किया गया। सी.एच.2ओ. हेतु दो कक्षा रखरखाव युक्तिचालनों (ओ.एम.-83 एवं ओ.एम.-84) को निष्पादित किया गया।
- अंतरिक्ष मौसम चेतावनियों का नियमित मॉनीटरण किया गया तथा 09-11 मई 2024 के दौरान विकट भू-चुंबकीय तूफान पर अंतरिक्ष यान प्रचालन टीम को सामयिक चेतावनियाँ जारी की गईं।
- 54 विशाल पिंडों के लिए वायुमंडलीय पुनःप्रवेश पूर्वानुमान किया गया।
- स्कैटसैट-1 के पोस्ट मिशन डिस्पोजल (पी.एम.डी.) के लिए नियमित गतिविधियाँ की जा रही हैं। 6 पी.एम.डी. युक्तिचालनों को निष्पादित किया गया है तथा स्कैटसैट-1 के अपभू में 710 कि.मी. से 630 कि.मी. की तुंगता तक कमी की गई है।
- निम्न चंद्र कक्षा के लिए अंतरिक्ष मलबा शमन हेतु दस्तावेजों और संघट्ट बचाव युक्तिचालनों हेतु निर्णय मानदंड तैयार कर आई.ए.डी.सी. को प्रस्तुत किए गए। इसरो हेतु ग्रहीय सुरक्षा में सहयोग के सक्षम क्षेत्रों पर चर्चा के लिए ई.एस.ए. की आर.ए.एम.एस.ई.एस. मिशन टीम के साथ बैठक की गई।

ज. <u>अंतरराष्ट्रीय सहयोग:</u>

- 02 मई 2024 को मौसम विज्ञानी उपग्रह के आँकड़ा अनुप्रयोग, विनिमय एवं पुनर्वितरण में सहयोग हेतु मौसम विज्ञानी उपग्रहों के अन्वेषण पर यूरोपीय संगठन तथा इसरो के बीच समझौता किया गया।
- अंतरराष्ट्रीय खगोल संघ (आई.ए.एफ.) ने चंद्रयान-3 टीम को आई.ए.एफ. विश्व अंतरिक्ष पुरस्कार-2024 के लिए चुना है।

- सचिव, अं.वि./अध्यक्ष, इसरो ने 23 मई 2024 को ब्रिक्स देशों की अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुखों की बैठक में वर्चुअल मोड से भाग लिया तथा वर्तमान एवं आगामी ब्रिक्स परियोजनाओं पर वार्ता की।
- अमरीका के राजदूत, एच.ई. एरिक गार्सेट्टी ने 24 मई 2024 को इसरो का दौरा किया तथा अध्यक्ष, इसरो/सचिव, अं.वि. एवं इसरो/अं.वि. के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात की।
- जाक्सा पदाधिकारियों की एक टीम के साथ सहभागी उद्योग प्रतिनिधियों (मेसर्स एम.एच.आई.) ने 21-22 मई 2024 के दौरान इसरो मु. का दौरा किया तथा प्रस्तावित संयुक्त चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण मिशन (ल्यूपेक्स) पर तकनीकी अंतरापृष्ठ बैठक की।
- राष्ट्रीय सुरक्षा में उन्नत अध्ययन हेतु फ्रांसीसी संस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने 31 मई 2024 को इसरो मु. का दौरा किया। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम का अवलोकन किया गया तथा प्रतिनिधिमंडल ने इसरो मु./अं.वि. के पदाधिकारियों के साथ वार्ता की।

झ. <u>इन-स्पेस गतिविधियाँ:</u>

- अग्निबाण उप-कक्षीय प्रौद्योगिकी प्रदर्शन (सोर्टेड), मिशन-01 के उप-कक्षीय प्रमोचन हेतु मेसर्स अग्निकुल कॉस्मास प्रा. लि., चेन्नई को इन-स्पेस प्राधिकरण जारी किया गया। अग्निबाणसोर्टेड को 30 मई 2024 को एस.डी.एस.सी. शार से सफलतापूर्वक प्रमोचित किया गया।
- इन-स्पेस ने रोटर्डम में भू-स्थानिक विश्व मंच 2024 में लोक नीतिः उद्योग विकास को सक्षम बनाना, हेतु भू-स्थानिक विश्व मंच नेतृत्व पुरस्कार प्राप्त किया।
- इन-स्पेस ने बर्लिन. जर्मनी में आई.एस.ओ./टी.सी.-20/एस.सी.-14 अंतरिक्ष प्रणाली एवं प्रचालन की 33वीं पूर्ण बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और विभिन्न मानक विकास गतिविधियों में सहयोग किया।
- आगे की कार्रवाई हेतु निम्नलिखित दस्तावेज जारी किएः
  - विस्तृत परियोजना रिपोर्टः अंतरिक्ष विनिर्माण समूहों में सामान्य तकनीकी सुविधाओं की स्थापना
  - विस्तृत प्रचालन दिशानिर्देशः सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से भू-प्रेक्षण उपग्रह प्रणाली का कार्यान्वयन।
  - विस्तृत प्रचालन दिशानिर्देशः भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए प्रौद्योगिकी अंगीकरण निधि (टी.ए.एफ.)

- इन-स्पेस ने दो अतिरिक्त भारतीय इकाइयों को पंजीकृत किया है, जो भू-प्रेक्षण/सुदूर संवेदन उपग्रहों से वाणिज्यिक रूप से भारतीय क्षेत्र एवं भूमि नमूना आँकड़े (जी.एस.डी.) > 30 सी.एम. से संबंधित प्राथमिक आँकड़े का प्रसार करना/बेचना चाहती हैं।

- इन-स्पेस ने निम्नलिखित गैर सरकारी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं:
  - पोएम पर अपने नीतभार को समायोजित करने हेतु इसरो की सहायता सहित सुदूर संवेदन उपग्रह डिजाइन समीक्षा, परीक्षण सहायता एवं संबंधित आवश्यकताओं हेतु मेसर्स गैलेक्सआई स्पेस सॉल्यूसंस प्रा. लि.।
  - 'रॉकेट इंजन एवं उपप्रणालियों हेतु डिजाइन समीक्षा, परीक्षण सहायता' के लिए मेसर्स थ्रस्टवर्क्सडायनेटिक्स, पुणे।
  - उपग्रहों/नीतभारों, प्रणालियों/उप-प्रणालियों की जाँच हेतु तकनीकी सहायता करने, प्रमोचन एवं प्रमोचन पश्च सहायता गतिविधियाँ प्रदान करने हेतु मेसर्स पियरसाइट स्पेस प्रा. लि.

- पोएम पी.एस.एल.वी. सी.60 पर ऑनबोर्ड उड़ाने के लिए नियोजित, सभी नीतभारों पर पर्यावरणीय स्तर के परीक्षण चल रहे हैं। तीन गैर-सरकारी संगठनों को डी.ओ.टी. के डब्ल्यू.पी.सी. स्कंध के माध्यम से आई.टी.यू. फाइलिंग हेतु नोट जारी किए गए हैं।
- 19-24 मई 2024 के दौरान भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम में कौशल विकास कार्यक्रम के तहत प्रमोचन यान हेतु मिशन डिजाइन एवं उड्डयानिकी विकास पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित किया गया।
- प्रबंधन परामर्शिता फर्म को इन-स्पेस के पैनल में शामिल करने हेतु अंतिम रूप दिया गया एवं आई.डी.पी. पर अपलोड किया गया।

ञ. <u>एनसिल गतिविधियाँ:</u>

- सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत एल.वी.एम.3 प्रमोचक यानों के उत्पादन हेतु एनसिल ने भारतीय उद्योगों से प्रतिक्रियाएँ आमंत्रित करने के लिए आर.एफ.क्यू. प्रकाशित किया है।
- 15 एस.एस.एल.वी. की तैयारी के भाग के रूप में, एनसिल ने एस.एस.एल.वी. को तैयार करने हेतु आवश्यक विभिन्न मदों के लिए 25 निविदाएँ जारी कीं। मुख्य मदों में नीतभार फेयरिंग घटक, नीतभार प्रशीतन नाभीय प्रणालियाँ, एस.एस.1 पृथक्करण प्रणाली हार्डवेयर आदि शामिल हैं।
- एनसिल ने पी.एस.एल.वी. – अन्वेषा मिशन पर ऑनबोर्ड सोवा-1 उपग्रह (राइडशेयर के आधार पर) हेतु विदेशी ग्राहक के साथ प्रमोचन सेवा करार (एल.एस.ए.) पर हस्ताक्षर किया।

क. उपग्रह निर्माण – जीसैट-20 (जीसैट-एन.2):

- अंतरिक्ष यान हेतु नीतभार अनुकूलक फिट जाँच यू.आर.एस.सी. में पूरी कर ली गई है।
- सीमित निविदा प्रक्रिया के माध्यम से एनसिल ने जीसैट-एन.2 मिशन के बीमा हेतु एक भारतीय बीमा प्रदाता का चयन किया है।
- अंतरिक्ष यान का गतिक परीक्षण सफलतापूर्वक कर लिया गया है।

ख. उपग्रह संचार:

- मॉनीटरण, नियंत्रण एवं निगरानी (एम.सी.एस.) हेतु जहाज संचार एवं सहायता प्रणाली (वी.सी.एस.) की स्थापना के लिए एनसिल ने आपूर्ति, संस्थापन एवं आई.टी. अवसंरचना तथा सॉफ्टवेयर विकास की शुरुआत के लिए बोलियाँ प्राप्त की।
- दूर-शिक्षा सेवाएँ चालू रखने हेतु उपग्रह सेवाएँ प्रदान करने के लिए एनसिल तेलंगाना सरकार एवं कर्नाटक सरकार के साथ वार्ता कर रहा है। इसके लिए, उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एनसिल ने उपग्रह के विनिर्देशन प्रस्तुत किए हैं।
- एनसिल ने भारत में उपग्रह प्रचालकों की भूमिका एवं आवृत्ति समन्वयन को समझने के लिए आई.टी.यू./अंतरिक्ष नीति से संबंधित गतिविधियों में भाग लिया।
- टी.वी./टेलीपोर्ट अनुप्रयोगों हेतु जीसैट उपग्रह पर दीर्घावधि उपयोग के लिए दो आबंटन पत्र जारी किए गए।

ग. भू-प्रेक्षण:

- एनसिल ने भू-निधि पोर्टल के माधय्म से 'वाणिज्यिक' आधार पर ई.ओ. आँकड़ा प्रसारण शुरू किया।

घ. मिशन सहायता एवं भू-खंड:

- इस्ट्रैक भू-स्टेशन के माध्यम से एनसिल एक विदेशी ग्राहक को प्रमोचन यान अनुवर्तन हेतु टी.टी.सी. सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया में है।
- गहन अंतरिक्ष मिशनों हेतु टी.टी.सी. सहायता प्रदान करने हेतु एनसिल एक विदेशी ग्राहक के साथ वार्ता कर रहा है।

ङ.प्रौद्योगिकी हस्तांतरण:

- एस.सी.पी.सी. आधुनिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण हेतु एनसिल ने दो भारतीय उद्योगों के साध प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करार (टी.टी.ए.) पर हस्ताक्षर किए।

2. तीन माह से अधिक अवधि से लंबित '<u>अभियोजन की मंजूरी</u>' के मामलों की संख्या :शून्य

3. ऐसे मामलों का विवरण, जिनमें लेन-देन के व्यावसायिक नियमों या सरकार द्वारा स्थापित नीतियों से विचलन हुआ हो :शून्य

4. चल रहे स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के अंतर्गत प्रगति):

सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, विभाग ने 1 से 15 फरवरी, 2024 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के कार्यान्वयन के लिए एक कार्य-योजना तैयार की है और डी.डी.डब्ल्यू.एस. को सूचित किया है तथा उसे स्वच्छता समीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया है।

इस कार्य योजना के आधार पर, अं.वि./इसरो के केंद्रों/यूनिटों/स्वायत्त निकायों/सी.पी.एस.ई. ने वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, आवासीय कॉलोनी के निवासियों के.औ.सु.ब. कार्मिकों आदि की सक्रिय भागीदारी के साथ 1 से 15 फरवरी, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2024 मनाया गया। पखवाड़े के दौरान आयोजित कार्यक्रमों के फोटो स्वच्छता समीक्षा पोर्टल पर अपलोड किए गए।

5. स्वायत्त निकायों को युक्तिसंगत बनाने की स्थिति:

ई.एम.सी. ने सिफारिश की है कि एन.ए.आर.एल. को सरकारी बनाया जाए। एन.ए.आर.एल. के संदर्भ में समिति की सिफारिशें समीक्षाधीन हैं।

विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्वायत्त निकायों यथा – आई.आई.एस.टी., पी.आर.एल., एन.ए.आर.एल. एवं उ.पू.-सैक को राजकोष एकल खाता के अंतर्गत लाया गया।

6. स्वायत्त निकायों/पी.एस.यू. सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति स्थितिः

अंतरिक्ष विभाग के सभी पदों से संबंधित विस्तृत स्थिति ए.वी.एम.एस पर अद्यतित कर दी गई है। दिनांक 31.05.2024 तक की रिक्तियों के अद्यतनीकरण की स्थिति निम्नलिखित हैः

- ए.वी.एम.एस. पर प्रविष्टि करने के लिए आवश्यक कुल पदों की संख्याः - 25
- वर्तमान में भरे हुए पदों की संख्याः - 18
- वर्तमान में पूर्णतः रिक्त पदों की संख्याः - 07
- समयपूर्व संप्रत्यावर्तन के तहत पदों की संख्याः – 00
- अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के तहत पदों की संख्याः - 01
- अगले 06 माह के दौरान रिक्त होने वाले पदों की संख्याः -

7. उन मामलों की सूची, जिनमें ए.सी.सी. दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया हैः- शून्य.

* * *